Journal Of Harmonized Research Publication

A proceeding of
National Conference Advance Technique For Enhancement of Fitness, Wellness and Sports Skill Special Reference of Tribal Students

Conference Proceeding

# जनजातीय तथा गैर जनजातीय क्रिकेट खिलाड़ियों की खेल संवेगात्मक बुद्धि का तुलनात्मक अध्ययन

डॉ. शारदा कश्यप
वरिष्ठ क्रीड़ाधिकारी,
शासकीय बिलासा कन्या स्नातकोत्तर महाविद्यालय, बिलासपुर छत्तीसगढ़

**सारांश**

प्रस्तुत अध्ययन का उद्देश्य जनजातीय तथा गैर-जनजातीय क्रिकेट खिलाड़ियों की खेल संवेगात्मक बुद्धि का तुलनात्मक अध्ययन करना है । उपरोक्त अध्ययन के लिये छत्तीसगढ़ राज्य में संचालित विभिन्न विश्वविद्यालयों में आयोजित होने वाली अंर्तमहाविद्यालयीन क्रिकेट प्रतियोगितायों में भाग लेने वाले 25 जनजातीय पुरूष क्रिकेट खिलाड़ियों (औसत आयु 20.23 वर्ष) एवं 25 गैर जनजातीय पुरूष क्रिकेट खिलाड़ियों (औसत आयु 19.78 वर्ष) का चयन किया गया । चयनित न्यादर्श की खेल संवेगात्मक बुद्धि का आंकलन करने के लिये आगाशे एवं हेलोडे (2007) द्वारा निर्मित पांच आयामी खेल संवेगात्मक बुद्धि परीक्षण का प्रयोग किया गया । अध्ययन से प्राप्त परिणामों के अनुसार गैर जनजातीय क्रिकेट खिलाड़ियों में खेल संवेगात्मक बुद्धि, जनजातीय क्रिकेट खिलाड़ियों की तुलना में अधिक पायी गयी । अध्ययन से यह निष्कर्षतः यह तथ्य सामने आता है कि जातीय पृष्ठभूमि क्रिकेट खिलाड़ियों की खेल संवेगात्मक बुद्धि को सार्थक स्तर पर प्रभावित करती है ।

**प्रस्तावना**

सामान्य बुद्धि के ठीक विपरित संवेगात्मक बुद्धि न केवल किसी इंसान के व्यवहार बल्कि उसके आसपास के वातावरण को भी प्रभावित करती है । Goleman (1998) के अनुसार संवेगात्मक बुद्धि से तात्पर्य व्यक्ति की अपनी भावनाओं पर नियंत्रण की वह क्षमता है जिसके द्वारा वह स्वयं के तथा अन्य व्यक्तियों की भावनाओं की पहचान कर सकता है, तथा उन भावनाओं के उचित प्रबंधन द्वारा स्वयं तथा अन्य व्यक्तियों को किसी लक्ष्य की प्राप्ति के लिये प्रेरित कर सकता है ।

संवेगात्मक बुद्धि की महत्ता को खेल के क्षेत्र में अनेक अध्ययनों में प्रतिपादित किया है । भारत के लोकप्रिय खेल में से एक क्रिकेट में भाग लेने वाले खिलाड़ियों पर अनेक अध्ययन किये गये हैं [Chaudhary (1998); Owens and Brukkit (2006); Hariharan and Shrinivasan, 2006] किन्तु जातीय पृष्ठभूमि के परिप्रेक्ष्य में क्रिकेट खिलाड़ियों की संवेगात्मक बुद्धि पर अध्ययन नगण्य हैं । इसे दृष्टिगत रखते हुए अध्ययनकर्ता ने जातीय पृष्ठभूमि के संदर्भ में अंर्तमहाविद्यालयीन पुरुष क्रिकेट खिलाड़ियों की खेल संवेगात्मक बुद्धि का तुलनात्मक अध्ययन किया ।

**परिकल्पना**

गैर जनजातीय पुरुष क्रिकेट खिलाड़ियों में खेल संवेगात्मक बुद्धि, जनजातीय पुरुष क्रिकेट खिलाड़ियों की तुलना में सार्थक स्तर पर अधिक पायी जायेगी ।

**अध्ययन पद्धति :**

अध्ययन के उद्देश्यों की पूर्ति के लिये अध्ययनकर्ता द्वारा निम्नलिखित अध्ययन पद्धति का चयन किया गया ।

**न्यादर्श :**

उपरोक्त अध्ययन के लिये छत्तीसगढ़ राज्य में संचालित विभिन्न विश्वविद्यालयों में आयोजित होने वाली अंर्तमहाविद्यालयीन क्रिकेट प्रतियोगितायों में भाग लेने वाले 25 जनजातीय पुरूष क्रिकेट खिलाड़ियों (औसत आयु 20.23 वर्ष) एवं 25 गैर जनजातीय पुरूष क्रिकेट खिलाड़ियों (औसत आयु 19.78 वर्ष) का चयन किया गया ।

**परीक्षण विधि:**

- **खेल संवेगात्मक बुद्धि** : चयनित न्यादर्श की खेल संवेगात्मक बुद्धि का आंकलन करने के लिये आगाशे एवं हेलोडे (2007) द्वारा निर्मित पांच आयामी खेल संवेगात्मक बुद्धि परीक्षण का प्रयोग किया गया । हिन्दी में उपलब्ध इस प्रश्नावली की वैधता 0.71 है ।

**प्रक्रिया :**

अध्ययन के लिये चयनित न्यादर्श को 05-10 के समूह में खेल संवेगात्मक प्रश्नावली दी गयी । खेल संवेगात्मक बुद्धि पर प्राप्त उत्तरों की जांच प्रश्नावली निर्माता द्वारा सुझायी गयी विधि द्वारा की गयी एवं प्राप्त आंकड़ों को उनके समूहों के अनुसार सारणीकृत कर सांख्यिकीय विश्लेषण का कार्य किया गया । प्राप्त परिणाम तालिका क्रमांक 1 में प्रस्तुत किये गये हैं ।

## सांख्यिकीय विश्लेषण एवं परिणाम :

**तालिका क्रमांक 1**

**जनजातीय तथा गैर जनजातीय पुरुष क्रिकेट खिलाड़ियों के मध्य खेल संवेगात्मक बुद्धि की तुलना**

| चर | जनजातीय पुरुष क्रिकेट खिलाड़ी (N=25) | | गैर-जनजातीय पुरुष क्रिकेट खिलाड़ी (N=25) | | 't' | सार्थकता का स्तर |
|---|---|---|---|---|---|---|
| | Mean | S.D. | Mean | S.D. | | |
| खेल संवेगात्मक बुद्धि | 206.20 | 30.79 | 180.60 | 30.35 | 2.96 | .01 |

तालिका क्रमांक 1 में दर्शित परिणामों से स्पष्ट है कि गैर जनजातीय क्रिकेट खिलाड़ियों में खेल संवेगात्मक बुद्धि (M=206.20), जनजातीय क्रिकेट खिलाड़ियों की तुलना में (M=180.60) अधिक पायी गयी। प्राप्त t=2.96 जो कि .05 के सार्थकता स्तर पर है, इसकी पुष्टि करता है।

**निष्कर्ष :**

प्रस्तुत अध्ययन में गैर जनजातीय पुरुष क्रिकेट खिलाड़ियों की खेल संवेगात्मक बुद्धि जनजातीय पुरुष क्रिकेट खिलाड़ियों से बेहतर पायी गयी। अतः निष्कर्षतः यह तथ्य सामने आता है कि जनजातीय क्षेत्र की क्रिकेट प्रतिभाओं को सामने लाने के लिए उनके मनोवैज्ञानिक गुणों का संवर्धन आवश्यक है।

## संदर्भ सूची


Choudhary Sandeep (1998) : एक दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट स्पर्धाओं में मध्यम तेज गति एवं स्पिन गेंदबाजों की भूमिका का तुलनात्मक अध्ययन, अप्रकाशित शोध प्रबंध, नागपुर विश्वविद्यालय.

Goleman, D. (1998) : Working with emotional intelligence, Copyright of author.

Hariharan, V. and Srinivasan, P.S. (2006) : Inertial and vibration cricket stickers of a cricket bat. Online.

Owens, M. and Brukkit, B. (2006) : Mathematical modelling approach to one day cricket batting order. Journal of Sports Sciences.